



## पोलियो प्रतिक्रमण अभियान

### चर्चा में क्यों?

भारतीय वशिषज्ज सलाहकार समूह (IEAG) ने 8 दसिंबर 2024 से प्रारंभ होने वाले [पोलियो उप-राष्ट्रीय टीकाकरण दविस \(SNID\)](#) के अंतर्गत हरयिणा के छह जलिों को शामिल करने का नरिणय लयिा है। ये ज़लिैं [कैथल](#), [झज्जर](#), [गुरुग्राम](#), [फरीदाबाद](#), [सोनीपत](#) और [नूंह](#) हैं।

IEAG वशिषज्जों का एक समूह है जो भारत सरकार को [पोलियो उन्नमूलन पर सलाह देता है](#) और [रणनीतकि मार्गदर्शन प्रदान करता है](#)।

### मुख्य बढि

#### ■ पोलियो SNID राउंड:

- [मातृ एवं शशि स्वास्थय \(MCH\)](#) नदिशक ने आगामी SNID दौर की तैयारयिों की समीक़षा के लयिे राज्य टास्क फोरस की बैठक की अध्कषता की।
- उपस्थति लोगों में राज्य टीकाकरण अधकिकारी, राज्य मुख्यालय के अधकिकारी, ज़लिा टीकाकरण अधकिकारी तथा [महलिा एवं बाल वकिसा](#), [शकिसा](#), शर्म, [शहरी स्थानीय नकियाय](#), [पंचायती राज](#), जनसंपर्क, [आयुष](#), [चकितिसा शकिसा](#) एवं अनुसंधान, [भारतीय चकितिसा संघ](#) तथा [भारतीय बाल चकितिसा अकादमी](#) जैसे प्रमुख हतिधारक वभिागों के प्रतनिधि शामिल थे।

#### ■ पोलियो-मुक्त स्थति और सतरकता की आवशकता:

- इस बात पर प्रकाश डाला गया कि हरयिणा और भारत वर्ष 2011 से पोलियो मुक्त बने हुए हैं, जो लगातार प्रयासों के कारण एक महत्त्वपूर्ण उपलबधा है।
- [उन्होंने आगामी SNID दौर में 0-5 वर्ष की आयु के सभी पात्र बच्चों को शामिल करने](#) के महत्त्व पर बल दयिा, वशिष रूप से मलावी और मोजाम्बकि में [पोलियो वायरस के मामलों](#) की रपिर्ट के मद्देनज़र, जनिका संबंध पाकस्तान से है।

#### ■ उच्च जोखमि वाले कषेत्रों पर धयान केंद्रति करना:

- अधकिकारयिों को नरिदेश दयिा गया कि वे उच्च जोखमि वाले कषेत्रों में संवेदनशील संख्या की 100% कवरेज प्राप्त करने के लयिे व्यापक नामांकन और सूक़्षम नयिोजन सुनशिचति करना, जैसे:
  - शहरी मलनि बस्तयिों
  - खानाबदोश स्थल
  - नरिमाण स्थल
  - ईट भट्टे
  - पोल्टरी फार्म
  - कारखाने
  - गन्ना क्रशर
  - पत्थर-कुचलने वाले कषेत्र

#### ■ प्रशकिसण और पर्यवेकषण:

- [प्रभावी टीकाकरण सुनशिचति](#) करने के लयिे सभी टीका लगाने वालों को प्रशकिसण दयिा जाएगा।
- राज्य मुख्यालय के अधकिकारी ज़लिा स्तर पर गतविधिथिों की नगिरानी एवं पर्यवेकषण करेंगे।
  - वास्तवकि समय पर फीडबैक प्राप्त करने तथा सभी ज़लिों में बहु-स्तरीय पर्यवेकषण लागू करने के लयिे ज़लिा-स्तरीय पर्यवेकषण योजना तैयार की जाएगी।

### पोलियो

#### ■ परचिय:

- पोलियो एक [अपंगकारी और संभावति रूप से घातक वायरल संक्रामक रोग](#) है जो तंत्रकि तंत्र को प्रभावति करता है।
- तीन अलग-अलग और प्रतरिक़षात्मक रूप से भन्नि जंगली पोलियोवायरस उपभेद हैं:
  - जंगली पोलियोवायरस प्रकार 1 (WPV1)
  - जंगली पोलियोवायरस प्रकार 2 (WPV2)
  - जंगली पोलियोवायरस प्रकार 3 (WPV3)

- लक्षणात्मक रूप से, तीनों स्ट्रेन एक जैसे हैं, यानी वे अपरविरतनीय पक्षाघात या यहाँ तक कभी-कभी का कारण बनते हैं। हालाँकि, आनुवंशिक और वायरोलॉजिकल अंतर हैं, जो इन तीनों स्ट्रेन को अलग-अलग वायरस बनाते हैं जिन्हें अलग-अलग खत्म किया जाना चाहिये।

#### ■ प्रसार:

- यह वायरस **व्यक्ति-से-व्यक्ति** में मुख्यतः **मल-मौखिक मार्ग से फैलता है** या कभी-कभी एक ही माध्यम से संक्रमित होता है (उदाहरण के लिये, दूषित जल या भोजन के माध्यम से)।
- यह **मुख्य रूप से 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को प्रभावित करता है**। वायरस आंत में बढ़ता है, जहाँ से यह तंत्रिका तंत्र पर आक्रमण कर सकता है और पक्षाघात का कारण बन सकता है।

#### ■ लक्षण:

- पोलियो से पीड़ित ज्यादातर लोग बीमार महसूस नहीं करते। कुछ लोगों में सरिफ मामूली लक्षण होते हैं, जैसे बुखार, थकान, मतली, सरिदरद, हाथ-पैरों में दर्द आदि।
- दुरलभ मामलों में, पोलियो संक्रमण के कारण मांसपेशियों की कार्यक्षमता स्थायी रूप से समाप्त हो जाती है (लकवा)।
- यदि साँस लेने के लिये उपयोग की जाने वाली मांसपेशियाँ लकवाग्रस्त हो जाएँ या मस्तिष्क में संक्रमण हो जाए तो पोलियो घातक हो सकता है।

#### ■ रोकथाम और उपचार:

- **इसका कोई उपचार नहीं है, लेकिन टीकाकरण** के माध्यम द्वारा इसे रोका जा सकता है।

#### ■ टीकाकरण:

- **ओरल पोलियो वैक्सीन (OPV)** को संस्थागत प्रसव के लिये जन्म खुराक के रूप में मौखिक रूप से दिया जाता है, फरि 6, 10 और 14 सप्ताह में तीन प्राथमिक खुराक और 16-24 महीने की उम्र में एक बूस्टर खुराक दी जाती है।
- **सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (UIP)** के अंतर्गत **DPT (डिफ्थीरिया, परटुसिस और टेटनस)** की तीसरी खुराक के साथ एक अतिरिक्त खुराक के रूप में **इंजेक्टबल पोलियो वैक्सीन (IPV)** की शुरुआत की गई है।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/polio-immunisation-drive>

